Nai Dunia (Indore), 31st March 2026, Naidunia City, Page-I

इसरो के पूर्व निदेशक ने रिसर्च कांप्लेक्स का किया उद्घाटन

आइआइटी इंदौर में शोध को मिलेगी रफ्तार, दस अत्याधुनिक लैब तैयार

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर में सोमवार को परिसर में कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया गया। अध्यक्षता संस्थान के बोर्ड आफ गवर्नर्स के अध्यक्ष डा. के. सिवन ने की। सोलर पार्क और नए केंद्रीय विद्यालय भवन की आधारशिला रखी गई। सीजीएस एडवांस्ड रिसर्च कांप्लेक्स और एआर-वीआर लैब का भी उद्घाटन किया गया। डा. सिवन ने कहा कि संस्थान में नवाचार, शोध और सतत विकास को नई दिशा मिलेगी।

रिसर्च कांप्लेक्स के उद्घाटन मौके पर इसरो के पूर्व निदेशक डा. सिवन। ● सौजन्य

सीजीएस एडवांस्ड रिसर्च कांप्लेक्स आधुनिक सुविधाओं से लैस एक बड़ा शोध केंद्र है। इसे भारतीय विज्ञानियों डा. बिभा चौधरी, डा. रोहिणी गोडबोले और डा. कमला सोहोनी को समर्पित किया गया है। करीब 21 हजार वर्गफुट में बने इस कांप्लेक्स में 10 अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं, 24 फैकल्टी कक्ष और 96 छात्रों के लिए कार्यस्थल बनाए गए हैं। लगभग 11 करोड़ 8 लाख रुपये की लागत से बनाया गया है। सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए संस्थान ने एक मेगावाट का सोलर पावर प्लांट भी शुरू किया है। करीब 3.15 एकड़ में फैले इस प्लांट से हर साल लगभग 75 लाख रुपये की बिजली की बचत होगी। यह परियोजना 25 साल के लिए तय दर पर संचालित होगी, जिससे ऊर्जा लागत भी नियंत्रित रहेगी। कार्यक्रम में केंद्रीय विद्यालय के नए भवन की नींव भी रखी गई। यह तीन मंजिला (जी 2) भवन होगा, जिसमें 24 कक्षाओं के साथ सभी जरूरी शैक्षणिक और प्रशासनिक सुविधाएं होंगी। इसकी अनुमानित लागत 26.54 करोड़ रुपये है। इसके अलावा स्वास्थ्य एक्सआर नाम की एआर-वीआर इनोवेशन लैब का उद्घाटन भी किया गया। करीब 30 लाख रुपये की लागत से बनी यह लैब आधुनिक तकनीकों से लैस है। जहां स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े नए प्रयोग किए जाएंगे। आइआइटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास जोशी सहित विज्ञानी, शोधकर्ता और एम्स भोपाल के विशेषज्ञ भी मौजूद रहे।